Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 13

No. of Printed Pages – 7

SS-21-Hindi Sah.(Supp.)

उच्च माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2017

SENIOR SECONDARY SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2017

हिन्दी साहित्य

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आंतरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5) उत्तर यथासम्भव निर्धारित शब्द–सीमा में ही सुपाठ्य लिखें।

Downloaded from www.cclchapter.com

खण्ड – 'अ'

1) निम्न पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर सीमा 30 शब्द)

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाये,
मत झुको अनय पर भले व्योम फट जाये।
दो बार नहीं यमराज कण्ठ धरता है,
मरता है जो, एक ही बार मरता है।
तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे।
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे!
उपशम को ही जो जाति धर्म कहती है,
शम, दम, विराग को श्रेष्ठ कर्म कहती है,
धृति को प्रहार, शान्ति को वर्म कहती है,
अक्रोध विनय को विजय – मर्म कहती है,
अपमान कौन, वह जिसको नहीं सहेगी ?
सब को असीस, सब का बन दास रहेगी।

क) पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। [1]

ख) शीश कटने पर भी क्या नहीं छोड़ना चाहिए? [1½]

ग) व्यक्ति जीवन में कितनी बार मरता है? [1½]

घ) अपमान किसे सहना पड़ता है? [2]

ङ) पद्यांश में कवि ने क्या प्रेरणा दी है? [2]

Downloaded from www.cclchapter.com

2) निम्न गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर सीमा 20 शब्द)

हमें तो ऐसी शिक्षा चाहिए, जिससे चरित्र बने, मानसिक बल बढ़े, बुद्धि का विकास हो और जिससे मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके। हमें आवश्यकता इस बात की है कि हम विदेशी अधिकार से स्वतन्त्र रहकर अपने निजि ज्ञान – भण्डार की विभिन्न शाखाओं को और उसके साथ ही अंग्रेजी भाषा और पाश्चात्य विज्ञान का अध्ययन करें। हमें यान्त्रिक और ऐसी सभी शिक्षाओं की आवश्यकता है जिनसे उद्योग–धन्धों की वृद्धि और विकास हो, जिससे मनुष्य नौकरी के लिए मारा–मारा फिरने के बदले अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त कमाई कर सके और आपातकाल के लिए संचय भी कर सके।

क) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। [1]

ख) हमें कैसी शिक्षा चाहिए? [2]

ग) हमें किस बात की आवश्यकता है? [2]

घ) उद्योग – धन्धों की वृद्धि और विकास के लिए क्या चाहिए? [2]

ङ) हम संचय क्यों करते हैं? [1]

खण्ड – 'ब'

3) किसी एक विषय पर लगभग 450 शब्दों में निबन्ध लिखिए : [8]

i) विद्यार्थियों में बढ़ती अनुशासन हीनता।

ii) अस्पतालों का व्यावसायीकरण।

iii) महंगी शिक्षा और रोजगार के घटते अवसर।

iv) राष्ट्रीय एकता में बाधक विदेशी ताकतें।

4) निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 - 20 शब्दों में लिखिए : [4 × 2 = 8]

क) नाटक का सबसे जरूरी और सशक्त माध्यम क्या है? उसका नाटक पर क्या प्रभाव पड़ता है?

ख) पत्रकारीय लेखन किसे कहते है?

ग) कहानी के प्रमुख तत्व कौन से हैं?

घ) इन्टरनेट पत्रकारिता की मुख्य विशेषता क्या हैं?

Downloaded from www.cclchapter.com

5) आप बारहवीं कक्षा के छात्र हैं। कक्षा में आपके शिक्षक और आपके बीच किसी भी घटना पर एक वार्तालाप की रचना करें। **[4]**

खण्ड – 'स'

6) निम्न पद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **[7]**

बानी जगरानी की उदारता बखानी जाइ ऐसी मति उदित उदार कौन की भई।
देवता प्रसिद्ध सिद्ध रिषिराज तप बृन्द कहि कहि हारे सब कहि न काहू लई।
भावी भूत वर्तमान जगत बखानत है 'केसोदास' क्यों हू ना बखानी काहू पै गई।
पति बनैं चारमुख पूत बनैं पाँचमुख नाती बनैं षटमुख तदपि नई नई।।

अथवा

जब हम सत्य को पुकारते हैं
तो वह हमसे परे हटता जाता है
जैसे गुहारते हुए युधिष्ठिर के सामने से
भागे थे विदुर और भी घने जंगलों में
सत्य शायद जानना चाहता है
कि उसके पीछे हम कितनी दूर तक भटक सकते हैं
कभी दिखता है सत्य
और कभी ओझल हो जाता है
और हम कहते रह जाते हैं कि रूको यह हम हैं
जैसे धर्मराज के बार–बार दुहाई देने पर
कि ठहरिए स्वामी विदुर
यह मैं हूँ आपका सेवक कुंतीनंदन युधिष्ठिर
वे नहीं ठिठकते

Downloaded from www.cclchapter.com

7) निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 - 50 शब्दों में लिखिए :

क) कुछ दिन रह गृह तू फिर समोद,

बैठी नानी की स्नेह–गोद।

मामा–मामी का रहा प्यार,

भर जलद धरा को ज्यों अपार;

उपर्युक्त पंक्तियों का भाव – सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए। [2]

ख) तोहर बिरह दिन छन–छन तनु छिन–

चौदसि–चाँद–समान।

भनइ विद्यापति सिबसिंह नरपति

लखिमा देइ–रमान।।

उपर्युक्त पंक्तियों में निहित शिल्प – सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए। [2]

8) निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 - 50 शब्दों में लिखिए :

क) 'अरूण यह मधुमय देश हमारा' गीत किसने व कहाँ गाया? किस दृश्य को देखकर इस गीत का उद्भव हुआ? [2]

ख) 'गीत गाने दो' कविता में कवि निराला ने कैसे समय की ओर संकेत किया है? कवि गीत क्यों गाना चाहता है? [2]

खण्ड – 'द'

9) निम्न गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [7]

हरगोबिन संवदिया! ....संवाद पहुँचाने का काम सभी नहीं कर सकते। आदमी भगवान के घर से संवदिया बनकर आता है। संवाद के प्रत्येक शब्द को याद रखना, जिस सुर और स्वर में संवाद सुनाया

Downloaded from www.cclchapter.com

गया है, ठीक उसी ढंग से जाकर सुनाना सहज काम नहीं। गाँव के लोगों की गलत धारणा है कि निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी ही संवदिया का काम करता है। न आगे नाथ, न पीछे पगहा। बिना मजदूरी लिए ही जो गाँव–गाँव संवाद पहुँचावे, उसको और क्या कहेंगे?.......... औरतों का गुलाम। ज़रा–सी मीठी बोली सुनकर ही नशे में आ जाए, ऐसे मर्द को भी भला मर्द कहेंगे? किंतु गाँव में कौन ऐसा है, जिसके घर की माँ – बेटी – बहू का संवाद हरगोबिन ने नहीं पहुँचाया है? .... लेकिन ऐसा संवाद पहली बार ले जा रहा है वह।

अथवा

भीड़ लड़के ने दिल्ली में भी देखी थी, बल्कि रोज देखता था। दफ़्तर जाती भीड़, खरीद–फ़रोख्त करती भीड़, तमाशा देखती भीड़, सड़क क्रॉस करती भीड़। लेकिन इस भीड़ का अंदाज़ निराला था। इस भीड़ में एकसूत्रता थी। न यहाँ जाति का महत्त्व था, न भाषा का, महत्त्व उद्देश्य का था और वह सबका समान था, जीवन के प्रति कल्याण की कामना। इस भीड़ में दौड़ नहीं थी, अतिक्रमण नहीं था और भी अनोखी बात यह थी कि कोई भी स्नानार्थी किसी सैलानी आनन्द में डुबकी नहीं लगा रहा था। बल्कि स्नान से ज्यादा समय ध्यान ले रहा था। दूर जलधारा के बीच एक आदमी सूर्य की ओर उन्मुख हाथ जोड़े खड़ा था। उसके चेहरे पर इतना विभोर, विनीत भाव था मानो उसने अपना सारा अहम त्याग दिया है, उसके अन्दर 'स्व'से जनित कोई कुंठा शेष नहीं है, वह शुद्ध रूप से चेतन स्वरूप, आत्माराम और निर्मलानन्द है।

10) निम्न में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [2 × 2 = 4]

(उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द)

क) 'कुटज' और राजा जनक के जीवन में क्या समानता बताई गई हैं? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

ख) 'शेर' कहानी में लेखक ने झाड़ी के ओट से कौनसा दृश्य देखा? पाठ के आधार पर बताइये।

ग) बड़ी बहुरिया का संवाद हरगोबिन उसकी माता को नहीं सुना पाया। आप यदि बड़ी बहू का संदेश लेकर जाते तो क्या आप भी संवाद सुनाये बिना लौट आते? तर्क पूर्ण उत्तर दीजिए।

11) कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला अथवा लेखक रामचन्द्र शुक्ल का साहित्यिक परिचय दीजिए। [4]

Downloaded from www.cclchapter.com

खण्ड – 'य'

12) निम्न प्रश्नों में किन्हीं चार के उत्तर (प्रत्येक को) लगभग 50 शब्दों में लिखिए : [4 × 2 = 8]

क) मालवा के राजाओं और आज के इंजीनियरों के जलप्रबन्धन सम्बन्धित कौशल में क्या अन्तर है?

ख) 'पहाड़ों का जीवन अत्यन्त कठिन होता है'। पहाड़ी लोगों का जीवन आपको कैसा लगता है? क्या आप ऐसा कठिन जीवन जीना पसन्द करेंगे? अपने विचार लिखिए।

ग) घीसू द्वारा मिठुआ को चिढ़ाना – 'खेल में रोते हो'। इस कथन की सूरदास पर जो प्रतिक्रिया हुई उसे अपने शब्दों में लिखिए।

घ) बिस्कोहर में रोगों के इलाज के लिए वनस्पति का उपयोग किस तरह किया जाता था? पाठ के आधार पर बताइये।

ङ) ''सूरदास अपनी झोंपड़ी के जला दिए जाने के बाद भी किसी से प्रतिशोध लेने में विश्वास नहीं करता'' आप सूरदास के इस विचार से कहाँ तक सहमत हैं?

13) बिसनाथ मान ही नहीं सकते कि बिस्कोहर से अच्छा कोई गाँव हो सकता है। क्या आप भी अपने गाँव या शहर के बारे में यही सोचते हैं? यदि हाँ तो क्यों? सकारण उत्तर लिखिए। [6]

Downloaded from www.cclchapter.com

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

Downloaded from www.cclchapter.com